सीरतुल अब्दाल

(अब्दाल का जीवन चरित्र)

लेखक

हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद क़ादियानी

मसीह मौऊद व महदी माहूद अलैहिस्सलाम

सीरतुल अब्दाल

लेखक
हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद क़ादियानी
मसीह मौऊद व महदी माहूद अलैहिस्सलाम

नाम पुस्तक	: सीरतुल अब्दाल
Name of book	: Seeratul Abdaal
लेखक	: हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद क़ादियानी मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम
Writer	: Hazrat Mirza Ghulam Ahmad Qadiani Masih Mau'ud Alaihissalam
अनुवादक	: डा अन्सार अहमद पी.एच.डी आनर्स इन अरबिक
Translator	: Dr Ansar Ahmad, Ph.D, Hons in Arabic
टाईपिंग, सैटिंग	: नादिया परवेज़ा
Typing Setting	: Nadiya Perveza
संस्करण तथा वर्ष	: प्रथम संस्करण (हिन्दी) जुलाई 2018 ई०
Edition. Year	: 1st Edition (Hindi) July 2018
संख्या, Quantity	: 1000
प्रकाशक	: नज़ारत नश्र-व-इशाअत, क़ादियान, 143516 ज़िला-गुरदासपुर (पंजाब)
Publisher	: Nazarat Nashr-o-Isha'at, Qadian, 143516 Distt. Gurdaspur, (Punjab)
मुद्रक	: फ़ज़्ले उमर प्रिंटिंग प्रेस, क़ादियान, 143516 ज़िला-गुरदासपुर, (पंजाब)
Printed at	: Fazl-e-Umar Printing Press, Qadian, 143516 Distt. Gurdaspur (Punjab)

सीरतुल अब्दाल

अरबी भाषा में यह पुस्तक दिसम्बर 1903 ई. की रचना है। अपने निबंध में यह पुस्तक 'अलामातुल मुक़र्रबीन' की ही श्रंखला है। इस पुस्तक में भी हुज़ूर[अ.] ने ख़ुदा के मामूरों एवं सुधारकों की समस्त विशेषताएं, उच्चकोटि के शिष्टाचार तथा बरकतों का विस्तारपूर्वक वर्णन किया है। जो मामूरों की सच्चाई के अनादि मापदण्ड हैं और ये समस्त बातें हुज़ूर अलैहिस्सलाम के अपने पवित्र अस्तित्व में सर्वांगपूर्ण तौर पर पाई जाती हैं।

"सीरतुलअब्दाल" अरबी भाषा की अनुपम अत्युत्तम कृति है जो अपनी सरसता,सुबोधता तथा शब्दों एवं अर्थों की खूबियों में अद्धितीय है।

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम
नहमदुहू व नुसल्ली अला रसूलिहिल करीम

अल्लाह के नाम से शुरू करता हूं जो बिन मांगे देने वाला, सच्ची मेहनत को नष्ट करने वाला नहीं है। हम उसकी प्रशंसा करते हैं और उसके सम्माननीय रसूल पर दरूद भेजते हैं।

أيّها الناس إنّی أُذکرکم مَا أُوحی إلیّ من رب العالمین۔ إنّی أُمّرتُ من الرحمان فأتونی بأهلکم أجمعین۔ وأُعطیتُ الحکم من السّماء ولا دجّال ولا رقین۔ انحطّت لی الملائکة من الخضراء إلی الغبراء وجُعلت قادیان کالقادسیة وبلدها الامین۔ وعصمنی ربی من شرّ الرُّضَعِ وجعلنی من العالین۔ وشَنَصّتُ به کل الشّنوص وحُلَّ لَحْمی عن أوصاله للحِبِّ القرین۔ فلا أخاف مُمَشِّنًا بعده ولا أرعن

हे लोगो! मैं तुम्हें वही नसीहत करता हूं जो समस्त लोकों के प्रतिपालक की ओर से मुझ पर वह्यी की गई। मैं रहमान (कृपालु) ख़ुदा की ओर से मामूर किया गया हूं। इसलिए तुम अपने सम्पूर्ण परिवार के साथ मेरे पास आओ। मुझे आकाशीय हिक्मतें प्रदान की गईं हैं न कि चांदी-सोना (अर्थात् धन-दौलत)। मेरे लिए आकाश से पृथ्वी पर फ़रिश्ते उतरे और क़ादियान को मुकद्दस ज़मीन और उसको शान्ति दायक शहर के समान बना दिया गया है तथा मेरे रब्ब ने मुझे कमीनों की बुराई से बचाया और मुझे उच्च सम्माननीय बनाया। मेरा उसके साथ पूर्ण संबंध हुआ और उस साथ बैठने वाले प्रियतम के लिए मेर मांस जोड़-जोड़ से घुल गया। तत्पश्चात् मैं न तो किसी तलवार सूंतने वाले से डरता हूं और न शक्तिशआली शत्रु से क्योंकि मेरे लिए मेरा रब्ब प्रतिरक्षा करने वालों

العــدا بمــا قــام لى ربى كالمدا كئــين۔و إنّى أتّبــع وحيــه عــلى البصــيرة، ومــا ارْتَتَــأَ عــلىَّ أَمــرى ومــا كنــتُ مــن المفتريــن۔ولا أُرغِــن إلىٰ مــن خالــف الحــق وأرى الوجــه كالضنــين۔ولا أُبــالى أحــدًا مــن العِــدَا ولــو خوّفــنى بخــوفٍ أَدْقَ ولا أحضــرهُ كالمتزأزئين۔وليســت الدنيــا عنــدى إلا كَجَهْبَــلَةٍ إذا جَرْشَــبَتْ ثــم مــا تَبَعَّلَــت فَبَــذَئَ هَــا بعلُهــا وبَــذَء رَوْسَــهاوَ دَقشــهاو نــزَّرَ أمرَهــا وحســبها بِئــس القريــن

ومــن افتتــح ســورة النــور و الفاتحــة والمائــدة فَسَــبْحَلَهَا و تدبّرهــا كالطالبــين، وانتقــل مــن غَلَــلٍ إلى غَمــرٍ

के रूप में खड़ा है और मैं पूर्ण प्रतिभा से उसकी वह्यी का अनुकरण करता हूं और मेरा मामला मुझ पर संदिग्ध नहीं और न मैं मुफ़्तरी हूं और जो सच्चाई का विरोध करे मैं उस की बात पर कान नहीं रखता और न मैं एक कंजूस की तरह किसी के चेहरे को देखता हूं। मुझे शत्रुओं में से किसी की परवाह नहीं चाहे वह मुझे मार डालने वाले भय से भयभीत करे। और मैं उसके सामने डरपोकों के समान नहीं आता। मेरे नज़दीक दुनिया केवल उस कुरूप स्त्री के समान है जो बूढ़ी हो चुकी हो फिर वह पति की अवज्ञाकारी भी हो और उस का पति उस से विमुख हो और उसके इतरा कर चलने से तथा उसके बनाव-श्रृंगार से घृणा करे और उसे हर प्रकार से नीच समझे और उसे निकृष्टतम साथी समझे।

और जो व्यक्ति सूरह नूर, सूरह फ़ातिहा और माइदह खोले और फिर उसे ध्यानपूर्वक पढ़े तथा सत्याभिलाषी की तरह उस पर विचार करे और कम पानी से उस के नीचे के प्रचुर पानी की ओर जाए और अपनी समझ

هو تحته، وأذاب فهمه ورعبل وجوده، وتجنّبَ الصِّلَالَ وما قنع على مِمكل وما هاب شَزَنًا، وما لغب فى ابتغاء ماءٍ معين، فيُشاهد صدق ما ادّعيتُ، ويرى ما رأيتُ، ويكون من المستيقنين و إنى أنا المسيح الموعود، وأنا الذى يَدفو ويجود، ويستقرى التّقِىّ الذى يبغى الحق ويرود، فبشرى للمتّقين۔ إن التقاة ليس بهَيِّن، ووالله إنّها تُضاهى الْحَيْن۔ ومن آثر التقاة فهو ظأب رجل آثر المماتَ وهى عقبة كُئُود أيها الفتيان، وهى الموت المحرق بالنيران، ثم هى الطِرف الموصل إلى الجنان، أَتَحْسَبُ كم أمتُ بينها وبين حِمام الإنسان،

को पिघला दे और अपने अस्तित्व को टुकड़े-टुकड़े कर दे और थोड़े पानी से बचा रहे तथा थोड़े पानी वाले तालाब पर सन्तुष्ट न हो और पृथ्वी की कठोरता से भयभीत न हो और जारी मधुर पानी की खोज में न थके तो वह मनुष्य मेरे दावे की सच्चाई को देख लेगा और वही राय स्थापित करेगा जो मेरी राय है और विश्वास करने वालों में से हो जाएगा। निस्सन्देह मैं ही मसीह मौऊद हूं और वह मैं ही हूं जिस ने मारना था और दानशीलता और वदान्यता करना थी। और मैं वह व्यक्ति हूं जो सत्याभिलाषी संयमी की तलाश और खोज में है। तो संयमियों के लिए ख़ुशख़बरी है। निस्सन्देह संयम (तक़्वा) आसान नहीं। ख़ुदा की क़सम संयम भी मौत के समान है, क्योंकि जिस ने संयम के आचरण को प्राथमिक रखा वह (मानो) ऐसे व्यक्ति का पक्का साथी है जिसने मौत को प्राथमिकता दी। हे युवाओ! संयम ऐसी चोटी है जिसे सर करना कठिन है। यह ऐसी मौत है जो (भिन्न-भिन्न प्रकार की आग से जलाने वाली है। इसके अतिरिक्त वह एक उत्तम घोड़ा

إذا بلغْتَ منتهاها و استوعَبْتَهَا فهى الموت عند أهل العرفان، إنّ التقىّ لا يخاف لَجَبَ الشيطان، و يحسب انثعاب دمه فى الله كشرابٍ مُشَعْشَعٍ بالثغبان، و للأتقياء علاماتٌ يُعرَفون بها، و لا ولىّ إلا التّقىّ يا فتيان، منهم قومٌ يُرسَلون لإصلاح النّاس عند مفاسد الخنّاس من الله الرحمان

فمن علاماتهم أنهم يُبعثون عند ظلام يُحيط الزمان، و يظهرون إذا قلّ الكرام و الكرائم، و تأجلت الخنازير و البهائم، و كثر رجالٌ يُبَغْسِلُوْن، و قَلَّ قومٌ يتهجّدون،

है जो जन्नतों तक पहुंचाता है। तुझे क्या मालूम कि इसमें और मनुष्य की मौत में कितनी दूरी है। जब तू उसकी अन्तिम सीमा को पहुंच जाए और उसे पूर्ण कर ले तो यही आरिफ़ों (अध्यात्म ज्ञानियों) के नज़दीक मौत है। निस्सन्देह संयमी (व्यक्ति) शैतान के कोलाहल से नहीं डरता और अल्लाह के मार्ग में अपना रक्त बहाने में उसे ऐसा आनन्द आता है जैसे उत्तम शुद्ध शीतल पानी से मिली हुई शराब में और संयमियों की निशानियां हैं जिन से वे पहचाने जाते हैं। हे जवानो! संयमी ही वली होता है और उनमें से ही एक जमाअत शैतान के उत्पातों के समय लोगों के सुधार के लिए दयालु ख़ुदा की ओर से भेजी जाती है।

उनकी निशानियों में से एक यह है कि वे ऐसे अंधकार के समय अवतरित किए जाते हैं जो सम्पूर्ण युग पर छाया हुआ होता है और उन का प्रादुर्भाव सभ्य लोगों तथा शिष्ट आचरणों के कम हो जाने पर होता है और (उस युग में) सुअरों तथा पशुओं के समान विशेषता वाले लोगों की बहुतायत हो जाती है और व्यभिचार के रसिया लोगों को प्रचुरता तथा

وبقی الناس کَحَسْکَلٍ لا یعلمون ولا یعملون۔وفسد الزمان وأهلك کُمَّلًا، وما ولد إلّا زُعْبَلًا، وترفت عین السماء وما ازْمَهَلّت، وصارت الارض جدبة وما أَبْقَلَتْ، أو صار الناس کمثل رجلٍ له جعندل ولا یأتبل، وعنده کحلٌ ولا یَکْتحِل۔ومالوا عن الحق کلّ المَیْل، فحفل الوادی بالسَّیْل، یُجائیون الجَدبَ، ویُزیلون الودب، ویحشأُون الشیطان، ویرفأون ما اخرَوْرَقَ ویُنَوِّرون الزمان

ومن علاماتهم أنّهم قوم لا یجدون أحدًا یأخذ جلالته بقلوبهم، ولا یُعدّون کدودةٍ من لم یتطأطأ ولم

तहज्जुद पढ़ने वालों की कमी हो जाती है और लोग ऐसे निकम्मे हो जाते हैं कि वे न ज्ञान रखते हैं न कर्म। जब युग बिगड़ जाता है और हुनरमंद लोगों को मिटा देता है और केवल सूखेपन के रोगी (अर्थात् रूहानियत से खाली) बच्चे ही पैदा करता है, और आकाश की आंख खुश्क हो जाती है और आंसू नहीं बहाती तथा पृथ्वी बंजर हो जाती है और हरियाली नहीं निकालती और लोग ऐसे आदमी के समान हो जाते हैं जिसके पास एक सुदृढ़ ऊंट तो हो परन्तु वह उस पर सवारी न कर सके। उसके पास सुर्मा तो हो परन्तु वह उसे लगाता न हो। और वे (सामान्यजन) सच्चाई से सर्वथा फिर जाते हैं और घाटी बाढ़ (अवज्ञा) से भर जाती है। अत: सूखा (दुर्भिक्ष) पड़ने के साथ ही ये अब्दाल भी आते हैं और दुर्दशा दूर करते हैं और शैतान के पेट में तीर घोंपते हैं और जो कुछ फट चुका हो उसे रफ़ू करते हैं और युग को प्रकाशित करते हैं।

और उनकी निशानियों में से एक है कि वह एक ऐसी क़ौम है जिन के दिल किसी के प्रताप से नहीं डरते और जो व्यक्ति न तो झुके

يغـترف مـن شُـؤْبُوبِهِمْ، و يقعـون فى أُلُهانيّـة الـربّ و يؤثـرونـه فى جميـع أُسـلوبهم، و ينصـرون مـن نـاء بـه الحِمْـلُ و يُدركـون مـن هـوى بوظوبـهم لا يأخذهـم إفـكلٌ أمـام أحـدٍ من الامـراء، و يالّـون فى سـبيل الله الذى أشـرطهم عنـد فسـاد الزمان و شـيوع الاهـواء، و مـا يحملـهم عـلى ذالـك إلّا مواسـات النـاس و أمـر حضـرة الكبريـاء

و مـن علاماتـهم أنّـه إذا استشـنَّ مـا بينـهم و بـين ربـهم الجـوّاد، فيبلّلونـه بالإحسـان عـلى العبـاد، و يطـيرون إلى العُـلىٰ و لا يُدَثّنـون، و يُسـقَوْن شـرابًا لا يَهْـذرون بـه و لا يُصَدَّعُـون، و يقولـون هـل مـن مزيـدٍ و لا يقنعـون، و لا

और उनके दान के झरने से एक चुल्लू तक भी न भरे (वे) उसे कीड़े के बराबर भी नहीं समझते। और वे अपने रब्ब की ख़ुदाई में खोए रहते हैं और अपनी हर पद्धति और व्यवहार में उसी को प्राथमिकता देते हैं और जो व्यक्ति भारी बोझ के नीचे दबा हुआ हो उसकी सहायता करते हैं और अपनी व्यवस्था और अनिवार्यता से गिरते हुए को संभालते हैं अमीरों (धनसम्पन्न) में से किसी के आगे उन पर कंपकपी नहीं छा जाती और वे ख़ुदा के मार्ग में रोते-गिड़गिड़ाते हैं जिसने उनके युग के उत्पात् तथा कामवासना संबंधी इच्छआओं के सामान्य होने के समय भेजा और उन्हें इस पर केवल जनता की हमदर्दी और ख़ुदा तआला का आदेश तैयार करता है।

और उनकी निशानियों में से एक यह है कि जब उनका उनके दानशील रब्ब से संबंध कमज़ोर हो जाता है तो वे बन्दों पर उपकार करके उस संबंध को तरोताज़ा करते हैं तथा वे बुलन्दी की ओर उड़ते हैं और

تُفْـهَمُ أسـرارُهم بمـا دَقَّـتْ كأنّـهم يرطنـون، ويكفـأون نفوسـهم ممـا لا يرضٰـى بـه ربُّـهم وعَـلى الحـقّ يثبتـون، ولـو أُحرقـوا لا يُبرقلـون، ولا يَكفُـرُون بالحـق ولـو يُبزّلـون، ولا يتبسّـل وجوهـهم بمـا أصابتـهم مـكاره وعـلى الله يتوكّلـون، ويحسـبون الدنيـا كَحَسَـكلٍ فـلا يتوجّهـون

ومـن علاماتـهم أنّـهم يُنَبّـأون بإقبالـهم قبـل وجـود الاسـباب الماديـة، ويُبَشَّـرون بنصـرٍ مـن الله فى أيّـام اليـأس وإعـراض النّـاس، وفقـدان الوسـائل المعتـادة فى هـذه الدنيـا الدنيّـة، حـتّى أنّ السـفهاء يضحكـون عليـهم عنـد إظهـار تلـك

थोड़ा सा उड़कर बैठ नहीं जाते तथा उन्हें ऐसा जाम पिलाया जाता है कि जिस से न वे बकवास करते हैं और न उन्हें सर दर्द चिमटता है और هَـلْ مِـنْ مَّزِيْـد अर्थात् और भी कुछ है कहते जाते हैं और सन्तुष्ट नहीं होते। उनके राज़ सूक्ष्म होने के कारण समझे नहीं जाते जैसे कि वह अरबी के अतिरिक्त कोई अन्य भाषा बोल रहे हैं और वे अपने नफ़्सों को हर उस बात से रोक रखते हैं जो उन के रब्ब को अप्रिय हो और सच्चाई पर दृढ़ रहते हैं और चाहे आग में भी डाल दिए जाएं वे झूठ नहीं बोलते और न वे सच को छुपाते हैं चाहे उन्हें टुकड़े-टुकड़े कर दिया जाए और उन कष्टों पर जो उनको पहुंचते हैं वे अप्रसन्न नहीं होते और वे अल्लाह पर भरोसा करते हैं और दुनिया को रद्दी समझते हुए उसकी ओर ध्यान नहीं देते।

उनकी निशानियों में से एक यह है कि भौतिक सामानों के पैदा होने से पहले ही उन्हें उनके सौभाग्य की प्रबलता की (ग़ैब से) ख़बर दी जाती है और उन्हें निराशा, लोगों की विमुखता और इस तुच्छ संसार

الانبـاء، و يحسـبو نهم مجانـين هاذر يـن أو مُفْتَرِ يـن لتحصيـل الاهـواء، ويسـعون كل السـعى ليعدموهم و يجعلوهـم كالهباء ،فينـزل أمـر الله مـن السـماء، و يُقْعَدُون فى حجـر عنايـة حضرة الكبريـاء، ويُمـزّق كُلّمـا نسـج العِـدا مـن التّـكبّر والخيـلاء ،ويُقضَـى الامـرُ ويُغـاض سـيل الفتـن وتُجعَـلُ خاتمـة أمرهـم فـوز المـرام مـع الغلبـة والعـزّة والعـلاء

ومـن علاماتـهم أنّـك تراهـم فى سُـبُل الله مسـارعين كالدعكنـة، وأمَّـا أمـور الدنيـا فيتزحّنـون عنهـا ولا يؤثرونهـا إلّا بالكراهـة، ويُظهـر الله بـهم مـا صلـح مـن

के सामान्य साधनों के अभाव के समय में अल्लाह तआला की ओर से सहायता की ख़ुशख़बरी मिलती है यहां तक कि मूर्ख इन भविष्यवाणियों की अभिव्यक्ति पर उनकी हंसी उड़ाते हैं और उनको पागल, बकवासी या इच्छाओं की प्राप्ति के लिए झूठ गढ़ने वाले समझते हैं और वे (सांसारिक लोग) उन्हें मिटाने तथा ग़ुबार की तरह उड़ा देने का पूर्ण प्रयास करते हैं। उस समय ख़ुदा का आदेश आकाश से उतरता है और वे ख़ुदा तआला के कृपा रूपी आंचल में बिठा दिए जाते हैं और शत्रुओं ने अभिमान एवं अहंकार के द्वारा अपने (यत्नों के) जो जाल बुने होते हैं वे टुकड़े-टुकड़े कर दिए जाते हैं और मामले का निर्णय कर दिया जाता है और फ़ित्नों का जारी सैलाब शुष्क कर दिया जाता है और अन्ततः विजय और सम्मान तथा प्रतिष्ठापूर्वक सफल होते हैं।

और उनकी निशानियों में से एक यह है कि तू उन्हें देखता है कि वे ख़ुदा के मार्गों में सुदृढ़, हृष्ट-पुष्ट तीव्रगामी ऊंटनी की तरह दौड़ते हैं और रहे सांसारिक मामले तो उन में दिलचस्पी नहीं लेते और घृणा से

أخلاق الناس وما كان كالدّاءِ الدفين. فيُشابهون مطرًا يُظهر خواص الارضين، وَالْبَلَدُ الطَّيِّبُ يَخْرُجُ نَبَاتُهُ بِإِذْنِ رَبِّهِ وَالَّذِىْ خَبُثَ لَا يَخْرُجُ اِلَّا نَكِدًا، كذالك ضرب الله مثلا للمؤمنين والفاسقين

ومن علاماتهم أنّك تجدهم كرجلٍ رزين، وعمود رَصِين، وتاجرٍ هو بدء زَحنته وقَيل المعاصرين، ويزجّون عيشتهم فى حَذَلٍ وأنين، ويبيتون لربّهم قائمين وساجدين، ويجتنبون حِطّل الشهوات ويعبدون ربّهم حتّى يأتيهم يقين، وإنّ التُّحُوتَ إذا سبُّوا وأضبُّوا كالكلاب، وجعلوهم

ही उन्हें ग्रहण करते हैं और अल्लाह तआला उनके द्वारा लोगों के अच्छे शिष्टाचार तथा उन बुराइयों को जो गुप्त रोग की भांति होते हैं प्रकट कर देता है। वे उस वर्षा के समान होते हैं जो ज़मीनों के गुण प्रकट कर देती है "और अच्छी ज़मीन की हरियाली अपने रब्ब के आदेश से निकलती है और ख़राब ज़मीन की पैदावार रद्दी ही निकलती है।" अल्लाह तआला ने मोमिनों और पापियों का उदाहरण ऐसा ही वर्णन किया है।

और उनकी निशानियों में से एक यह है कि तू उन्हें मर्यादा का पालन करने वाला व्यक्ति, दक्ष सेनापति तथा ऐसे व्यापारी की तरह जो यात्री दल का मुखिया हो और अपने समकालीनों का नायक पाएगा, वे अपना जीवन रोने और गिड़गिड़ाने में व्यतीत करते हैं तथा अपने रब्ब के लिए खड़े रह कर और सज्दों में सारी रात गुज़ार देते हैं और कामवासना संबंधी इच्छाओं के भेड़िए से बचाते हैं और मौत के आने तक अपने रब्ब की इबादत में व्यस्त रहते हैं और कमीने लोग जब उनको गालियां देते हैं और कुत्तों की तरह उन पर टूट पड़ते हैं और

كأرض تحت الضباب، وجدتَهم صابرين

ومن علاماتهم أنّهم يُبعَثون فی عصرٍ ادْجَوْجَنَ، ووقتٍ قَلَّ ثماره وشابه الحطب الْمُدْرِن، وفی زمان أخذت الناسَ نعسة أُرْدُنٌّ، وبقی إیمانهم كإهانٍ ما بقی له غُصْنٌ، وفی بُرهة أَحْثَلَتْ صبیانها، وما كفلت جوعانها، وفی حِینٍ ما طَلَّ الناسَ الضَّلالُ، وقضمت جوامیسُ النفوس ما نَعَمَتْ من الاعمال، ثم هم لا یكونون دخن الخلق كالأرْذَال، بل یكظمون الغیظ ویعفون عمّن آذٰی من الجُهَّال، ومع ذالك هم قومٌ شَجِعَةٌ لا یُرْغَنُونَ إلى سِلْمٍ لظُلمٍ عَتٰی، ولو كانوا كباهِلٍ فی موطن الوغٰی، ویخافون

उन्हें ऐसी भूमि के समान कर देते हैं जो कुहर के नीचे आ गई हो तो ऐसी अवस्था में भी तू उन्हें धैर्यवान पाएगा।

और उनकी निशानियों में से एक यह है कि वे घटाटोप अंधकार के युग में अवतरित किए जाते हैं और ऐसे समय में जब फल बहुत कम हो जाते हैं और वृक्ष खुश्क ईंधन के समान हो जाते हैं और ऐसे समय में जब लोगों पर गहरी नींद प्रभुत्त्व पा लेती है तथा जब लोगों का ईमान उस टुण्ड-मुण्ड वृक्ष के समान हो जाता है जिसकी कोई टहनी शेष न रही हो और ऐसे दौर में जिसने अपने बच्चों को खराब और रदद्दी भोजन दिया और अपने भूखों का भरण-पोषण न किया हो और ऐसी घड़ी में जब गुमराही ने लोगों को उलझा रखा हो और नफ़्सों के भैंसों ने शुभ की हरियाली को चबा डाला हो, इसके बावजूद वे कमीनों की तरह बेमुरव्वत नहीं होते बल्कि वे ग़ुस्सा पी जाते हैं और अशिष्ट लोगों में से जिसने कष्ट पहुंचाया होता है उसे क्षमा कर देते हैं और वे ऐसे शूरवीर होते हैं कि हद से बढ़े हुए अत्याचार के सामने सर नहीं झुकाते चाहे वे

ربّـهم وعـلى التقـوى يُوَاظِبُـوْنَ، وإذا مسّـهم طائـف مـن الشـيطان يسـتغفرون، فتُهـزم الاهـواءُ الـتى جـاءت كأوشـابٍ يهجمـون، وتنـزل السـكينة ويفـرّ الشـيطان الملعـون

ومـن علاماتـهم أنّـهم يعرفـون الرهـدون، والمنافـق البهصـل الذى يُضاهـى الحِـرْذُون، وتجدهـم كغيـذانٍ فى كل مـا يزكنـون، وكمثـل هصُـورٍ بيـد أنـهم لا يفترسـون، وتجـد قلوبـهم أغنيـاء ثـمّ يتمسـكنون، ويُرْقِلـون فى سُـبُل الله ولا يُرْكَلُـون، وترى دموعهم مُرْمَغِلّةً لا ترْقَـأُ ولا يميلون إلىٰ أوْنٍ ولا يَتَبَخْترون

ومـن علاماتـهم أنّ القـدر يمشـى إليـهم علىٰ قـدم

युद्ध के मैदान में ही निहत्थे क्यों न हों और वे अपने रब्ब से डरते और संयम (तक़्वा) को हमेशा ग्रहण किए रहते हैं और जब उन्हें कोई शैतानी ख़याल आए तो इस्तिग़फ़ार (क्षमा याचना) करते हैं। अतः बदमाशों की तरह आक्रमणकारी इच्छाओं को पराजित कर दिया जाता है और (उन पर) चैन उतरता है और मलऊन शैतान भाग जाता है।

उनकी निशानियों में से एक यह है कि वे झूठे, नंगे, कपटाचारी को जो गिरगिट के समान हो खूब पहचानते हैं और तू उन्हें हर मामले में सही राय वाला और शेर की तरह निडर पाएगा किन्तु वे दरिन्दगी का प्रदर्शन नहीं करते और तू उनके हृदयों को निस्पृह पाएगा फिर भी वे विनय ग्रहण करते हैं, वे अल्लाह के मार्ग में तीव्रगामी होते हैं एड़ लगाने के मुहताज नहीं होते। तू देखेगा कि उनके आंसू निरन्तर बहते हैं और थमते नहीं और वे आराम चाहने की ओर नहीं झुकते और न ही वे इतरा के चलते हैं।

और उनकी निशानियों में से एक यह है कि तक़्दीर उनकी ओर दबे

المخاتلة، و يُنبّئُهُم الله بقدره إذا قُدّرَ عليهم نزول البليّة، و يختعل إليهم الموت ولا يأتى كالحوادث المفاجئة، كأن الله يعاف أن يهلكهم و يتردّد عند قبض نفوسهم المطمئنّة

ومن علاماتهم أنّهم يُنصَرُون ولا يُخذَلُون، ولا يحجز هوًى بينهم وبين ربّهم ولا يُترَكُون، ولا يُفَارقون الحضرة ولو يُخَرّذَلون، ولا يكونون كخرقاء ذات نيِقَةٍ بل يُعطَون العلم ويُنَوَّرُون۔ويرى الله بريقهم وهم لا يُراء ون، وفى الحسنات يتنَوَّقون، وتراهم كنباتٍ خَضِلٍ ولو يُكْلَمون، يشهد لهم الاثْرَمَانِ أنهم من أولياء الرحمن، ولو يحسبهم خَطِلٌ أنّهم مُلحِدون، و إذا ضاق

पांव आती है और जब उन पर किसी विपदा का उतरना उन पर मुक़द्दर होता है तो अल्लाह तआला उस प्रारब्ध (तक़्दीर) के उतरने से पहले ही उन्हें अवगत कर देता है और मौत उनकी ओर देर से आती है अचानक आने वाली दुर्घटनाओं की तरह नहीं आती। जैसे अल्लाह तआला उनको मौत देने से हिचकिचाता है और उनके आराम प्राप्त नफ़्सों को क़ब्ज़ करने में असमंजस में होता है।

और उनकी निशानियों में से एक यह है कि उनको सहायता प्राप्त होती है और वे निराश्रय नहीं छोड़े जाते और उनके तथा उनके रब्ब के मध्य कोई इच्छा रोक नहीं होती और वे (बेयार-व-मददगार) नहीं छोड़े जाते। और वे ख़ुदा तआला से पृथक नहीं होते चाहे उन्हें क़ीमा ही क्यों न कर दिया जाए और न ही वे शेखी बघारने वाले मूर्खों की तरह होते हैं अपितु उनको ज्ञान प्रदान किया जाता है और उन्हें रोशन किया जाता है और ख़ुदा तआला उनकी चमक दिखाता है तथा वे दिखावा नहीं करते

عليهم أمرٌ فإلى الله يَحْفِلُوْنَ و لا يتركهم الله كخامل بل يُعرفُون فی الناس و يُبجّلُون ولا تراهم كأُمِّ خَنْثَل بل هم كبَبٍّ عبقريٍّ يُشاهَدون، و يمشون فی الارض هونًا ولا يُخَنْثِلُون

ومن علاماتهم أنّ خَنْطُولةً من السفهاء يظنّون فيهم ظنّ السَّوْء وهم عند الله يُبَرَّءُون، لا يغتمّون بدؤلُولٍ ولا هم يحزنون، وبينهم وبين الانبياء خئولة يشربون مما كانوا يشربون، وإذا دَبَلَتْهُمْ دُبَيْلَةٌ فقاموا و إلى الله يرجعون، وينزحون ما عندهم لله ولا يَبخلون۔ يجتنبون دحلة الدنيا ولا

और वे नेकियों को संभाल-संभाल कर अदा करते और तू उन्हें हरा-भरा और प्रफुल्ल देखेगा चाहे वे ज़ख्मी किए जाएं। उनके लिए दिन और रात गवाही देते हैं कि वे ख़ुदा के वली हैं चाहे मूर्ख उन्हें नास्तिक ही समझें। और जब उन पर कोई कष्ट आए तो वे ख़ुदा की ओर दौड़ते हैं। अल्लाह उन्हें गुमनाम नहीं छोड़ता अपितु लोगों में उनको प्रसिद्धि और श्रेष्ठता दी जाती है। तू उन्हें लगड़-बगड़ की तरह नहीं देखेगा अपितु वे सुन्दर, बहादुर, जवान की तरह दिखाई देते हैं। वे पृथ्वी पर विनयपूर्वक चलते हैं और बूढ़ों की भांति लड़खड़ाते नहीं।

और उनकी निशानियों में से एक यह है कि मूर्खों का एक गिरोह उनके बारे में भिन्न-भिन्न प्रकार के कुधारणाएं करता है और अल्लाह के नज़दीक वे उन आरोपों से पवित्र ठहराए जाते हैं। वे संकटों से न ग़म खाते हैं और न दुखी होते हैं तथा उनके और नबियों के बीच निकट संबंध होता है, वे उसी रूहानी शराब से पीते हैं जिससे अंबिया पिया करते हैं।

يقومـون عـلى حفرتهـا ولا يقربـون، وإنّـهم ريابيـل اللهِ وفى أَجمـةِ الغيـب ّ يُكتَمون۔ليـس هصـورٌ كمثلـهم ولا بـازى يَصُولـون عـلى العـدا ويمتشـقون۔وإنّهم أَغصـان شـجرة القـدس فمـن هَصَرَهُـم يكسـره الله والذيـن يحصرونـهم فـهم فى غَتّـمٍ يَضْجَـرون، ولا يؤذيـهم إلا مـن كان أحمـق مـن رِجـلةٍ وأخْنَـس مـن حيّـةٍ فإنّـهم قـومٌ يُحـارب الله لـهم ولا تفلـح عِداهـم وإن يفـرُّوا حـتّى يرتهشـوا فإنـهم عارضـوا الذى لا تخفـى منـه المجرمـون

और जब उन पर कोई संकट आता है तो खड़े हो जाते हैं और अल्लाह की ओर रुजू करते हैं और जो कुछ उनके पास होता है वह ख़ुदा के लिए लुटा देते हैं और कंजूसी नहीं करते और वे सांसारिक कुएं से बचते हैं। न उसके किनारे पर खड़े होते हैं और न उसके निकट जाते हैं और निस्सन्देह वे ख़ुदा के शेर होते हैं और वे ग़ैब की कछार में छुपा कर रखे जाते हैं। न उन जैसा कोई शेर होता है न बाज़। वे शत्रुओं पर आक्रमण करते हैं और उन्हें फ़ना कर देते हैं। वे पवित्र वृक्ष (शजरए क़ुदुस) की शाखाएं होती हैं जो उन्हें तोड़ने के लिए झुकाए अल्लाह तआला उसे तोड़ डालता है और जो उस की घेराबन्दी करते हैं वे स्वयं ही बड़ी घुटन में बिलबिलाते हैं और उन्हें वही मूर्ख कष्ट पहुंचाता है जो उस बूटी के समान हो जो बाढ़ वाले पानी के किनारों पर उगती है और फिर पानी उसे बहा कर ले जाता है या वही जो सांप से अधिक खन्नास हो। अत: वे ऐसी क़ौम हैं जिन के लिए अल्लाह तआला स्वयं युद्ध करता है और उनके शत्रु सफल नहीं होते चाहे वे सरपट दौड़ते हुए अपने पांव ज़ख़्मी कर लें। क्योंकि उन्होंने

ومن علاماتھم أنّھم يُلْقُون علومَھم فی قلوب قومٍ يطلبون، ويربُّونھم كما يُزَغِلُ الطائر فرخه وعليھم يُشفقون، ويحفظونھم مما لا يرصف بھم ويسمعون بتحنّنٍ صرخھم ولا يغفلون۔ وإنھم رعاۃٌ فی الارض إذا رأوا سرحانًا فبِشَاءھم ينعقون، ولا يتوكّلون علی أنفسھم ويُسَبّحِلُون، ولا يعيشون كَسَبْحَللٍ بل تتوالیٰ عليھم الاحزان فھم فيھا يذُوبون۔ وتُزَكّی أنفُسُھم من ربّھم فتتساتل جذباتھم حتی يبقی الرّوح فقط ويُفردون، ثم يُرسلون إلی النّاس فيدعون النّاس إلی الصلاح ويُحَيْعَلُون۔ ذالك مقام أبدَالٍ الذين اختاروا سُبُلًا لا يعتقبون

उस अस्तित्व का मुकाबला किया जिस से अपराधी छुपे नहीं रह सकते।

और उनकी निशानियों में से एक यह है कि वे सत्य की अभिलाषी क़ौम के हृदयों में अपने ज्ञान डालते हैं। और उन्हें इस प्रकार पालते हैं जैसे पक्षी अपने बच्चे को चोगा देता है और वे उन पर दया करते हैं और जो बातें उन के पक्ष में लाभप्रद और यथायोग्य न हों उन से उनकी रक्षा करते हैं और उन की फ़रियाद बड़ी हमदर्दी से सुनते हैं और लापरवाही नहीं करते। वे संसार में चरवाहों की तरह होते हैं। जब भेड़िया देखते हैं तो अपनी बकरियों को बुला लेते हैं और वे अपने ऊपर भरोसा नहीं करते अपितु ख़ुदा की पवित्रता और प्रशंसा करते हैं और वे आलस करने वालों की तरह जीवन व्यतीत नहीं करते बल्कि जब उन पर निरन्तर ग़म आएं तो वे पिघल जाते हैं और उनके रब्ब की ओर से उनके नफ़्सों को शुद्ध किया जाता है कि कामवासना संबंधी भावनाएं एक-एक करके मिट जाती हैं यहां तक कि केवल रूह शेष रह जाती है और वे अकेले हो जाते हैं तब वे लोगों की ओर अवतरित किए जाते हैं। तो वे लोगों

منــه ندامــةً ولا يتأسّــفون۔ وجازوا شــعابًا لا يجوزهــا المثقلــون،
ولا يموتــون إلا بعــد أن يُخَلِّفــوا أزفــلةً مــن الذين يُــرزقــون معرفةً
ويتّقون۔ ويدعــون كل دائق إلىٰ عينهم ولا يســأمون، فيأتيهم كلّ
من ســمع نــداء هم إلّا الذيــن صَمُّــوا وذُحِقَ لســانُهم وجُــنَّ جَنَانُهم
فــهم لا يتوجَّهون۔ وكذالــك جــرت عادة الكفــرة ما ســمعوا نداء
المرســلين و إن كانــوا يَصّلِقُــون۔ ولــم يتيقّظــوا بحســيس ولا
بصَهْصَلِــقٍ حتّى أخذهــم العــذاب وهــم لا يشــعرون۔ و جاهــد
النّبيــون لعــل الله يزيــل صِيَّقتــهم ولعلّــهم يُــبْصرون فقعدوا

को नेकी और सफलता की ओर बुलाते हैं। यह है अब्दाल का मुक़ाम (पद) जिन्होंने ऐसे मार्ग ग्रहण किए कि उन पर चलकर उन्हें अन्त में शर्मिन्दगी नहीं उठानी पड़ी। और न वे अफ़सोस करते हैं और वे ऐसी घाटियों से गुज़रते हैं जिनमें से भारी भरकम लोग नहीं गुज़र सकते। और वे उस समय तक मृत्यु नहीं पाते जब तक कि अपने पीछे ऐसी जमाअत न छोड़ें जिसे मारिफ़त प्रदान की जाती है और वे संयमी होते हैं। और वे प्रत्येक अनाड़ी मरने वाले को अपने झरने की ओर बुलाते हैं और उकताते नहीं। तो जो कोई भी उनकी आवाज़ सुनता है उनके पास आ जाता है परन्तु वे जो बहरे हैं और जिन की जीभें बीमार होकर छिल गई हैं तथा जिन के हृदय पर पर्दा पड़ गया है वे ध्यान नहीं देते और काफ़िरों की यही दिनचर्या रही है कि वे मुर्सलों की आवाज़ नहीं सुनते चाहे वे कैसी ही दर्द भरी आवाज़ से बुलाए जाएं। न तो वे हल्की आवाज़ से, और न सख़्त आवाज़ से यहां तक कि उनको अज़ाब आ पकड़ता है और वे समझ नहीं रखते। अंबिया प्रयास करते हैं कि शायद ख़ुदा तआला इन लोगों के गुबार दूर कर दे ताकि वे देखने लगें परन्तु वे तलाक दी हुई

كأمـرأةٍ طالـقٍ وعصـوا ربّـهم وأعـرضـوا كأنـهم لا يعلمـون۔ و طـارت حواسُّـهم كالحُـكْلِ و كانـوا ذوى حُسَـاسٍ وذوى وَنْشٍ و كانـوا يسـبُّون النبيّـين وينقـرون، و يرتعـون ويَلْعَصُـونَ۔ إن الذيـن آمنوا هـم فى الله يُجاهـدون، ويلومون الاٴرجـل مع طَهقِها ويظنّـون أنهم متقاعِسُـون، ويؤثرون الشـدائد للّٰه لعلّهم يُقْبَلون، فيدر كـهم رُحم الله ولا يُبقـون فى أزْلٍ من العيشِ وبالفوز يَقْفِلُون، ويحسـبهم زَهْدَنُ كـزوانٍ والخلقُ بهم يَسـلمون يبتغون رضا الله ويصرخـون كامـرأة ماخـض فيُدخَلـونَ فى المقبولـين

स्त्री की तरह बैठे रहते हैं और अपने रब्ब की अवज्ञा करते हैं और यों मुख फेरते हैं कि जैसे कि वे जानते नहीं और न समझने योग्य कलाम करने वाले व्यक्ति के समान उनके होश उड़ जाते हैं तथा वे बेमुरव्वत और झूठी बुराई करने वाले हो जाते हैं। और वे नबियों को गालियां देते हैं और दोष ढूंढते हैं वे खाते हैं परन्तु तृप्त नहीं होते। निस्सन्देह वे लोग जो ईमान लाए वे ख़ुदा के मार्ग में कठिन परिश्रम (तपस्या) करते हैं और वे क़दमों के तेज़ उठने के बावजूद उनकी निन्दा करते हैं और यही समझते हैं कि हम पीछे जा रहे हैं और वे अल्लाह के लिए कष्ट सहन करते हैं ताकि वे स्वीकार किए जाएँ। तो अल्लाह तआला की दया भी उनकी सहायता करती है और उन्हें कष्टप्रद (तंग) जीवन में नहीं छोड़ा जाता अपितु वे सफलता के साथ वापस होते हैं। कमीना तो उन्हें गेहूं में उगने वाला बेकार पौधा समझते हैं जबकि सृष्टि उनके कारण ही सुरक्षित है। वे अल्लाह की प्रसन्नता के खोजी होते हैं और वे प्रसवपीड़ा वाली स्त्री की भांति (ख़ुदा के समाने) चिल्लाते हैं तब कहीं मान्यों में सम्मिलित किए जाते हैं।

ومن علاماتهم أنّ الله يكشف عنهم رُوْنة الكروب، ويزحن الفزعَ عن القلوب، ففى كل آنٍ تتهلّل وجوههم ولا يتخوّفون، ويُعطَون أخلاقًا لا يوجد مثلها فى غيرهم وعند الْمُسَاحَنَةِ يُعرفون، يتواضعون للزير ولوكان أحد منهم سادن الدير أو وحشيّا كالعير وكذالك يفعلون

ومن علاماتهم أنّهم قوم ما لهم عن ربّهم حُنْتَأْلٌ يستأجزون عن الوسادة والآسن عندهم فى سُبُلِ الله زُلَالٌ، يبغون رضا الله والدّنيا فى أعينهم دَمَالٌ، وطالبها بطّالٌ، أو

और उनकी निशानियों में से एक यह है कि अल्लाह तआला उन से बेचैनी और व्याकुलता की तीव्रता को हटा देता है और घबराहट को दिलों से मिटा देता है। अत: हर समय उनके चेहरे चमकते हैं और वे भयभीत नहीं होते तथा उन्हें ऐसे शिष्टाचार दिए जाते हैं जिन का उदाहरण उनके ग़ैर में नहीं मिलता। और मेल-मिलाप के अवसर पर वे पहचाने जाते हैं। वे दर्शन करने वालों से आवभगत के साथ व्यवहार करते हैं चाहे कोई उनमें से गिरजे का सेवक हो या जंगली गधे की तरह वहशी हो। उनका यही आचरण है।

और उनकी निशानियों में से एक यह है कि इन लोगों को ख़ुदा के बिना कोई चारा नहीं होता। वे तकिए से अलग रहते हैं और अल्लाह के मार्ग में बदबूदार पानी उन के नज़दीक निथरा हुआ पानी होता है। वे ख़ुदा की प्रसन्नता के अभिलाषी होते हैं और संसार उनकी नज़रों में (महत्त्वहीन) गोबर होता है और इस (संसार) का अभिलाषी निकम्मा होता है या इब्राहीम के पिता की तरह लगड़-बगड़★ और इन्हें संसार त्यागने

★हज़रत इब्राहीम[अ.] के पिता को शिर्क करने के कारण जियाल अर्थात् ضبع

كأبي إبراهيم جيالٌ، ولهم بتر كها قطوف دانية وجِزَالٌ، والدنيا لهم جِعَالٌ، يُجْعِلُ الله بها قِدْر معيشتهم فلا يمسُّهم خَبَالٌ، هذا من ربّهم ولهم منها الخزال وإِذْهَالٌ، وإلى الله إِرْقَالٌ، وفي ذكره إرمعلالٌ، هم قوم يحسبون الدنيا زِبال، وإزعال النفس به ضلالٌ، وإنّها مُدًى يُذبح بها وطالبوها سِخالٌ، وماؤها ضَهْلٌ وطعامها اغتيالٌ، وسيرتها الإعراض كفُسّلةٍ وصورتها كَقِحلٍ ما بقى فيه جمالٌ، وأوّلها أَوْنٌ وآخرها اِقْذِعْلالٌ، لا تجد كمثلها قُرزلًا، وإنها زقّومٌ

के कारण झुके हुए गुच्छे और फल मिलते हैं और संसार इन के नज़दीक कपड़े का वह टुकड़ा है जिस के द्वारा अल्लाह तआला उन की जीविका को हांडी चूल्हे से उतारता है। अतः उनको कोई हानि नहीं पहुंचती। यह (देना) उनके रब की ओर से है जबकि वे इस संसार से विमुखता धारण करते हैं और उसे भूल जाते हैं। तो वे अल्लाह की ओर तीव्रता से बढ़ते हैं और उस की चर्चा से (उनके) आंसू जारी रहते हैं। वे ऐसे लोग हैं जो संसार को इतना समझते हैं जितना कि चींटी अपने मुंह में उठा लेती है। जबकि इस (संसार के सामान) के लिए नफ़्स को तैयार करना पथ भ्रष्टता है। और ये वे छुरियां हैं जिन के द्वारा ज़िब्ह किया जाता है, और इस (संसार)के अभिलाषी बकरोटे हैं। इस (संसार) का पानी थोड़ा और इसका भोजन मौत है और इसकी प्रकृति उस स्त्री की तरह मुख फेरना होता है जिसको पति बुलाए तो मासिक धर्म (हैज़) का बहाना कर दे और उसका रूप खुश्क खाल वाला जैसा (होता है) जिसमें सुन्दरता शेष

(लगड़-बगड़) के रूप में विकृत किया गया था। (लिसानुल अरब शब्द ضبع के अन्तर्गत)

فلا تحسبها قُعَالًا، ولذالك سَلَّ عليها عباد الرحمن سيفًا قَصَّالًا، وما أخذوها بيديهم وما بغوا إِمْصَالًا، وطلّقوها بثلاثٍ وما شابهوا مُمْغِلًا، وأتمّوا قولًا وحالًا وما بالوا طَمْلًا فيما بلغوا إِبْسَالًا

ومن علاماتهم أنّهم يُنشّأون كصبيّ عُلْهد، وفطرتهم فى سباحتها تشابه العَنْكَد، ولهم بركات كمطرٍ إذا أَلَثَّ، يظهرون إذا كان الصدق كشجر اجتُثّ إذا فقدهم الزمان فكأنه فقد التهتان إذا كثرت الفتن والهنابث فهى أرائج ظهورهم وإرهاص نورهم۔ يسعون فى سُبل الله كطِرفٍ يازجٍ،

न हो। उसका प्रारंभ आसानी और अंजाम तंगी है। तू उस जैसा कमीना नहीं पाएगा। यह तो थूहर है अत: उसे अंगूर का गुच्छा न समझ। और इसलिए रहमान (कृपालु) ख़ुदा के बन्दों ने उस पर टुकड़े-टुकड़े कर डालने वाली तलवार सूंती है। न उन्होंने उसे (दुनिया को) अपने हाथों से पकड़ा और न ही समेटने की इच्छा की और उन्होंने उसे तीन तलाक़ें दे दीं और वे इस्क़ात (गर्भपात) की रोगी के समान नहीं हुए। वे कथन और कर्म में पूर्ण हैं और वे खून में लथ-पथ होने की परवाह नहीं करते, क्योंकि वे मौत को स्वीकार करने के लिए तैयार होते हैं।

और उनकी निशानियों में से एक यह है कि उनका पालन-पोषण उस बच्चे की तरह होता है जिसे उत्तम खुराक दी गई हो। और उनकी प्रकृति अपनी तैराकी में तेज़ी से तैरने वाली मछली 'अनकद' के समान होती है और उनकी बरकतें निरन्तर बरसने वाली वर्षा के समान होती हैं। जब सच्चाई उखाड़े हुए वृक्ष की भांति हो जाए तो वे प्रकट होते हैं और जब युग उन से ख़ाली हो तो वह जैसे वर्षाओं से ही खाली रहा। जब

ويكشفون سرّ الناس كبطنٍ يُبْعَجُ، مجيئهم بُلْجَةٌ وذهابهم ظُلمةٌ۔ هم بهجة الملّة والدّين، وحُجّة الله على الارضين۔ يُشاعُ أمرُهم كالبرق إذا تَبَوَّج، والبحر إذا تموّج۔ تخرج إليهم السُّعداء كظبي إذا خرج من تَوْلَجِها، وتقبلهم خيار الامّة من غير أعوجها۔ والذين ينكرونهم فسيعلمون عند الحشرجة، وإن التهبوا اليوم كالنّار الْمُنْحَضَجَةِ۔ إنّهم يؤثرون الدنيا ويجعلونها لقلوبهم معبدها، ويتمايلون عليها كالدّيك إذا حَلَجَ ومَشَى إلى أُنْثاه ليَفْسدها۔ قد رَهَدُوا كالحبل إذا حُمْلِجَ، وليسوا كَغُصْنٍ رَؤُدٍ بل كطعامٍ

उपद्रवों एवं दुर्घटनाओं की बहुतायत हो तो यही उनके प्रादुर्भाव की सुगंध की लपटें तथा उन के प्रकाश का पेशख़ेमा (अग्रिम भूमिका) समझो। वे ख़ुदा के मार्ग में तेज़ दौड़ने वाले घोड़े के समान दौड़ते हैं। और वे लोगों के रहस्य यों जान लेते हैं जैसे पेट ही चीर कर रख दिया हो उन का आगमन प्रकाश और उनका जाना अंधकार है। वे मिल्लत और धर्म की शोभा और पृथ्वी पर अल्लाह का प्रमाण होते हैं। उनका सन्देश यों फैलता है जैसे बिजली कोंदे और समुद्र मौजें मार रहा हो। नेक लोग उनकी ओर यों निकलते हैं जैसे हिरण अपने रहने के स्थान से निकलता है। और उलटी समझ वालों के अतिरिक्त उम्मत में से सौम्य (लोग) उनको स्वीकार कर लेते हैं और जो उन का इन्कार करते हैं वे जान निकलने के समय (अपने कुफ्र का परिणाम) अवश्य जान लेंगे, यद्यपि वे आज भड़कने वाली अग्नि के समान भड़क रहे हैं। वे लोग संसार को प्राथमिकता देते हैं और उसे अपने हृदयों का उपासना-गृह (इबादत घर) बना लेते हैं और उस पर पूर्ण रूप से ऐसे झुकते हैं जैसे मुर्ग़ा अपनी

إذا تَكَــرَّجَ۔ ليــس فيــهم خــيرٌ و يُضائهــون الْحِنْبِــجَ۔ إنّ الذيــن يؤ منــو ن برُ ســل الله مَثَلُــهُم كمثـل شـجر ة طيّبـةٍ فى حَنـادج حُـرّ ة ، هـم الذيـن يُتّخَـذون عَضُـدًا لِمِـلّةٍ مُطهّـرةٍ۔ يسـعون كثَوْهَـدٍ فى سُـبل الله بمـا فُقِّحُـوا و قُشِّـرُوا عـن جُـرادةٍ بشـر ية و أثمـر فيـهم نَـوْر الإيمـان بنـورٍ إلٰهيـة۔ إنّـهم كأسـودٍ و مـع ذالـك ليســوا كشُـحْدُودٍ و ليســوا بمثقلـين لـترك الدنيـا و لذالـك يطـيرون إلى الله و لا يكر محون۔ يكسـحون البوا طـن و لا يُغـادرون فيهـا مثقـال ذرّة مـن هـذه العاجـلة، و يعملـون مـا يعملـون للآخـرة ولهـا يُجاهدون۔ يُعْطَـون خُـرّ د المعـارف و يتلقّفـون أدقّ بعـد

मुर्ग़ी की ओर मैथुन करने के लिए पर फैला कर दौड़ता हुआ जाता है। वे बटी हुई रस्सी की तरह मूर्खता में पक्के होते हैं और वे तरोताज़ा टहनी की तरह नहीं होते अपितु ऐसे भोजन के समान होते हैं जिसे फफूंदी लगी हो। उनमें कुछ भी भलाई नहीं होती और वे कंजूसों के समान होते हैं निस्सन्देह जो लोग अल्लाह तआला के रसूलों पर ईमान लाते हैं उनका उदाहरण ऐसे पवित्र वृक्ष की तरह है जो उपजाऊ रेत के टीलों में हो। वही हैं जिन्हें पवित्र मिल्लत के लिए सहायक बनाया जाता है। वे अल्लाह के मार्गों में जवान की तरह दौड़ते हैं इसलिए कि उनकी (रूहानी) आंखें खोल दी जाती हैं और मनुष्य के लिबास से बाहर लाए जाते हैं और ख़ुदा के नूर से उनके ईमान की कली (खिल कर) फलीभूत हो जाती है और बबर शेर होकर भी आचरणहीन नहीं होते और संसार-त्याग के कारण वे बोझल नहीं होते। इसीलिए वे अल्लाह की ओर उड़ने में लीन रहते हैं और बोझल क़दमों से दौड़ने वाले (की तरह) नहीं होते। वे अपने मन को ऐसा झाड़ू देते हैं कि उसमें संसार का कण भर भी नहीं रहने देते।

أدقّ حتّٰی یظنّ سَمْغَدٌ أنھم مُلحدون۔ وترٰی وجوھھم کَغُصْنٍ عُبرّدٍ لا ترھقھا قترۃٌ بما عرفوا ربّھم ولا ییأسون۔ لھم عزّۃ فی السّماء فالذین یَھْرِدون أعراضھم أو یسفکون دماءھم یُحاربھم اللّٰہ فیؤخذون ویجتاحون، صمٌّ بُکمٌ عُمْیٌ ومن شدّۃ العناد یکمدون

ومن علاماتھم أنّھم قومٌ لا یُطَّمَلُ ما فی حَوْضھم و یُعْطَون کلّ آنٍ من ماءٍ معین۔ ولا یعلمون ما الحَنْضَجُ ویُسْرِدُ لھم زلالٌ عَذْبٌ من ربّ العالمین۔ ویُصْفِدھم ربّھم خفیرا فیُعصمون من مَوامی وممّا فیھا من السرّاحین۔ وتزمج قربۃ

वे जो भी कर्म करते हैं आख़िरत के लिए करते हैं और उसी के लिए वे कठिन परिश्रम करते हैं मआरिफ़ के अनछुए मोती उनको प्रदान किए जाते हैं और वे सूक्षम से सूक्षम मआरिफ़ ग्रहण करते हैं यहां तक कि अहंकारी मूर्ख यह समझता है कि वे नास्तिक हैं और तू उनके चेहरे नर्म और नाज़ुक टहनी की तरह देखता है और अपने रब्ब को पहचान लेने के कारण उनके चेहरों पर स्याही नहीं होती और वे निराश नहीं होते। आकाश पर उन्हें सम्मान प्राप्त होता है। इसलिए वे लोग जो उनकी मान-हानि करते हैं या उन का ख़ून बहाते हैं अल्लाह उन से युद्ध करता है तो वे पकड़े जाते हैं और उनका उन्मूलन कर दिया जाता है। वे बहरे-गूंगे और अंधे हैं तथा वैर की तीव्रता के कारण उन्हें हृदय-रोग हो जाता है।

और उन की निशानियों में से एक यह है कि उन के हौज़ का पानी कभी गन्दा नहीं होता, उन्हें हर समय जारी पानी प्रदान किया जाता है और वे नहीं जानते कि कीचड़ मिला पानी क्या होता है और उन्हें तो समस्त लोकों के प्रतिपालक की ओर से मधुर निथरा हुआ पानी निरन्तर

نفوسهم نورًا و فهمًا و تلوح لهم ما تخفَى من المحجوبين۔ ذالك بأنهم يُسلّمون نفوسهم إلى الله كأَرْخٍ يُذبح و يقضون نحبهم أو يكونون من المنتظرين۔ و بأنّهم يُنفقون فى الله ما كان لهم من العَيْن۔ و لا يكونون كرجلٍ جعد اليدين، و يثمرون كغُصْنٍ سَرَعْرَعٍ غَزِيدٍ فتأوى إليهم المساكين۔ و يُرْزقُون من غير الكَدّ و الإلحاح فى المحاولةِ من الله الذى يتولى الصالحين

و من علاماتهم أنّ الله يخلق فى نفوسهم أَمَجًا للمعرفة التامة و تُضْرَحُ صدورُهم و تُخرَجُ منها كلّما كان من الغوائل الإنسيّة، فَيُمْلَأُون مِنْ حُبِّ الله

प्रदान किया जाता है। उन का रब्ब उनको रक्षक प्रदान करता है तो वे बियाबानों और उन में रहने वाले भेड़ियों से बचाए जाते हैं और उनके लोगों की मश्क प्रकाश और विवेक से भर दी जाती है। बहुत सी बातें जो महजूबों पर छुपी रहती उन पर प्रकट हो जाती हैं। यह इसलिए कि ये लोग अपने प्राण ज़िब्ह किए जाने वाले बछड़े के समान अल्लाह के सुपुर्द कर देते हैं या तो वे अपनी नीयत पूरी कर देते हैं या प्रतीक्षा करते रहते हैं और इसलिए भी कि वे अपना सब माल अल्लाह ही के लिए व्यय करते हैं और कंजूस आदमी की तरह नहीं होते, वे लम्बी तरोताज़ा शाख की तरह फल देते हैं तो दरिद्र उन की शरण में आ जाते हैं, उन्हें बिना परिश्रम और बिना आग्रहपूर्वक मांगने के उस ख़ुदा की ओर से जीविका दी जाती है जो नेकों का प्रतिपालक है।

उनकी निशानियों में से एक यह है कि अल्लाह तआला उनके नफ़्सों में पूर्ण मारिफ़त की बड़ी प्यास पैदा कर देता है और उनके सीने खोल दिए जाते हैं और उनसे मानवीय खराबियां सर्वथा निकाल दी जाती

ويذبحون له أنفسهم كَالْجَلْمدةِ ويرضدون متاع التقوى وينفقونه في كل ساعة بقدر الضرورة، ويُعرضون عن كل صِلْغَدٍّ و يدفعون السيئات بالحسنة، و يعيشون كأشْعَث أغبر تواضعًا لِلّٰه، و كذالك يُنْضِجُون سلوكهم كما تُفْأَد الخُبْزَةُ في الْمَلَّةِ. ويعيشون كَقَحَّادٍ مع كثرة الإخوان والذريّة، ويكونون كأرضٍ مِبْكَارٍ عاملين بأوامر الحضرة، ولا يُبالون رَعْلَ الظالمين ولا يتركون بتهديدهم ذرّة من السُّبل المنتخلة، ويزيّنون لله بيت قلوبهم كالامرأة المفَرْنَسَةِ، ويقومون لله باهشين

हैं फिर वे अल्लाह के प्रेम से भर दिए जाते हैं, उसके लिए वे अपने नफ़्स को गाय की तरह ज़िब्ह कर डालते हैं और संयम के सामान को तह के ऊपर तह रखते तथा उसे यथावश्यक हर समय व्यय करते रहते हैं। और वे हर मूर्ख से विमुख होते हैं तथा बुराइयों को नेकियों के द्वारा दूर करते हैं और अल्लाह के लिए ख़ाकसारी ग्रहण करते हुए वे अपना जीवन एक बिखरे बाल और धूल धूसरित व्यक्ति के समान व्यतीत करते हैं और वे अपने आचरण को इस प्रकार पकाते हैं जिस प्रकार कि रोटी अंगारों पर सेक कर पकाई जाती है वे भाइयों तथा सन्तान की अधिकता के बावजूद उस व्यक्ति के समान जीवन गुज़ारते हैं जिसका न कोई भाई हो न बेटा और वे ख़ुदा तआला के आदेशों को अदा करने में शीघ्र उगाने वाली भूमि के समान होते हैं। वे न अत्याचारियों के कठोर कटाक्षों की परवाह करते हैं और न उनकी धमकी से ग्रहण किए मार्गों को कण भर भी छोड़ते हैं और वे एक सुघड़ स्त्री की तरह अपने हृदयों के घर अल्लाह के लिए सजाते हैं और अल्लाह के लिए आनन्द की अवस्था

ویأخذون ما أُوتی من اللّٰہ بالقوۃ

ومن علاماتھم أنّک ترٰی عجائب منھم إن لبثت فیھم بُرْھۃً من الزمان، وتجدھم کناقۃٍ فَشوشٍ عند الفیضان، یَمُوصُ القلوب قولھم ویَدخل نُطقُھم فی الجنان، فتُنَیَّر بنیّر التقوٰی بإذن اللّٰہ الرحمان، وتُھْبَرُ ھَبْرَۃٌ زائدۃٌ من الشھوات ویمحو کل ما یُؤبش من العصیان، وکم من عُمی مستھترین یبصرون ویُھذّبون بھم فإذا ھم من أھل التقاۃ والعرفان، فویلٌ للذین یضحکون علیھم کامرأۃٍ تُھّار زوجھا ولا یعلمون أنھم بطلاقٍ یھلکون۔ فإن اللّٰہ علّق

में खड़े होते हैं और उन्हें जो कुछ अल्लाह की ओर से मिलता है उसे पूरी शक्ति से पकड़ते हैं।

और उनकी निशानियों में से एक यह है कि यदि तू कुछ समय तक उनके पास रहे तो तू उन से चमत्कार देखेगा और तू उन को लाभ पहुंचाने के समय बहुत अधिक दूध देने वाली ऊंटनी के समान पाएगा उनके कथन हृदयों को धो देते हैं और उनकी बातचीत हृदयों में घर कर जाती है। अतः उन्हें दयालु ख़ुदा के आदेश से संयम के ताने-बाने से संवारा जाता है और कामवासना संबंधी इच्छाओं में से अतिरिक्त भाग काट दिया जाता है और पापों में से जो कुछ जमा हो चुका होता है वह मिट जाता है तथा कितने ही ऐसे अंधे अपरिणामदर्शी हैं जो देखने लग जाते हैं और उनके द्वारा सभ्य होकर संयमी और वली बन जाते हैं। अतः उन लोगों पर अफ़सोस है जो उन पर उस स्त्री के समान हंसी उड़ाते हैं जो अपने पति के सामने कुत्ते की तरह भोंकती है। नहीं जानती कि केवल तलाक़ से तबाह-व-बर्बाद हो जाएगी।

نجاة الناس بحبّهم و عنايتهم فقد هلك من قطع العُلَق منهم بما ترك قومًا يَحْرُسُون۔ ولا تُصِيبُ تلك الشِّقوة إلّا رجلًا فی فطرته هُزَيْرَةٌ، و مع ذالك عُجلةٌ ونخوةٌ، وليس من الذين يخافون اللّٰه و يتدبّرون۔ و كل ذالك تتولّد من وَضَرِ الدُّنيا فويلٌ للّذين بها يتسنحون۔ يسعون لإيذاء أهل اللّٰه ذائبين مستهزئين و يحسبون أنهم يُحسنون۔ و من أظلم أبناء الزمان فی هذا الاٖوان۔ من تصدّی لإيذائی و هو ضبس و أشوس كالشيطان، و خوّفنی من كشيشه و فحيحه كالثعبان، و واللّٰه إنی حِمَی الرحمان، فمن أراد أن يقطعنی

क्योंकि अल्लाह तआला ने लोगों की मुक्ति को इन (अब्दाल) के प्रेम तथा कृपा से सम्बद्ध कर दिया है। इसलिए वह व्यक्ति तबाह हो गया जिसने उनसे संबंध-विच्छेद किया, क्योंकि उसने ऐसे लोगों को छोड़ा जो संरक्षक थे। यह दुर्भाग्य उस आदमी के भाग्य में है जिसकी प्रकृति में पूर्ण सुस्ती हो और उसके साथ जल्दबाज़ी और अहंकार हो और वह ख़ुदा से डरने वालों और सोच-विचार करने वालों में से न हो और यह सब कुछ सांसारिक गन्दगी से पैदा होता है। तो तबाही है उन लोगों के लिए जो स्वयं को उस से लिप्त करते हैं। वे वलियों को धिक्कारते हुए और उपहास करते हुए कष्ट पहुंचाने का प्रयास करते हैं और समझते कि वे नेक कार्य कर रहे हैं। इस समय युग के बेटों में से सब से बड़ा अत्याचारी वह है जो मुझे कष्ट पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है वह दुष्ट है और शैतान की तरह टेढ़ी आंख से देखने वाला अहंकारी है और उसने मुझे अजगर की तरह अपनी फुंकार और खाल की आवाज़ से डराया है। और अल्लाह की क़सम मैं दयालु ख़ुदा की

فسيُقطع من أَيدى الديّان، و إنى بأعينه ولا يخاف لديه المرسلون، ويرد الجَرْبَزةَ على أهلها لو كانوا يعلمون

ومن علاماتهم أنّهم لا يكونون كداحض بل يقومون فى مآقط ولا يُضائهون الجبان، ويؤمّون الناس كخوتع ليحفظوا من خاف السرحان، وينقلبون بمعارف كالّذى للقوم إِعتان۔ لا يقنعون على جهد أنفسهم ويخافون هدم بنيان العمر ويوم انقضاضٍ فيطلبون الوارث من الله ويجدونه كابن مخاضٍ ويفهضون الجذبات ابتغاء رضا رب الكائنات، ويخلصون لربّهم ولا يسوطون ولا يبرحون

सुरक्षा में हूं, अतः जिसने मुझे काटने का इरादा किया वह प्रतिफल के मालिक ख़ुदा के हाथों से काटा जाएगा और मैं उसकी नज़र में हूं और उसके सामने रसूल डरा नहीं करते और धोखेबाज़ों के धोखे उन पर लौटा दिए जाएंगे। काश वे जानते।

और उनकी निशानियों में से एक यह है कि वे रणभूमि में अल्पसाहसी लोगों के समान नहीं होते अपितु दृढ़ प्रतिज्ञ होते हैं और कायरता का प्रदर्शन नहीं करते और वे लोगों का स्वागत एक विशेषज्ञ की तरह करते हैं ताकि भेड़िए से डरने वालों की रक्षा कर सकें और वे क़ौम के लिए उत्तम वस्तु लेकर आने वाले की तरह मआरिफ़ लेकर लौटते हैं। वे अपने ही नफ़्स की कोशिश पर सन्तुष्ट नहीं होते। इधर आयु की बुनियाद गिरने और टूटने के दिन का भय भी साथ ही लगा होता है। इसलिए वे अल्लाह तआला से वारिस मांगते हैं और उसे (वारिस को) नवोदित जवान की तरह पाते हैं। और वे कायनात के रब्ब की रज़ा (खुशी) प्राप्त करने के लिए अपनी भावनाओं के टुकड़े-टुकड़े

الحضـــرة ولا يَشْـحطون۔ويليط حـبّ الله بقلوبــهـم وينطــون
أنفســهم بمحبوبــهم ولا يُحْفِظون الناس وعلى اللسـان يُحافظون،
ولـو بـدر منـهم مُحْفِـظٌ فباللّـين يتداركون۔ ينطقـون كرجـل
بلتعـانى، وتُفصّـح كلمـهم مـن فضـلٍ ربّـانى، يُذَعْذِعُـون المـال
على الفُقَـراء، ويُبـارزون كزميـعٍ مقـدامٍ فى مواطـن الابتـلاء۔ لا
تـرى فى وجوهـهم سُفعةً عنـد الغضب، وتجدهـم كحيتانٍ شـروعٍ
ناظريـن إلىٰ ربـهم عنـد الكـرب، وعلى شـراعهم حبـلٌ مـن حُـبّ
اللّٰه ولا كشِــرعة العَقَـب۔ لا يصـول عليـهم إلّا الّذى هو كقَرْثـعٍ،
ولا يؤذيـهم إلّا الذى هـو أشقٰى مـن قُنْذَعٍ۔ لهم عزيمـة قاهـرة إذا

कर डालते हैं और वे अपने रब्ब के लिए निष्कपट हो जाते हैं और मिलावट नहीं करते और वे ख़ुदा की चौखट को नहीं छोड़ते और ख़ुदा का प्रेम उनके दिलों में घुस जाता है और वे अपने नफ़्सों का संबंध (रिश्ता) अपने प्रियतम से जोड़ देते हैं और वे लोगों पर क्रोधित नहीं होते अपितु जीभ की रक्षा करते हैं और यदि कोई गुस्सा दिलाने वाला शब्द उन से निकल भी जाए तो नर्मी के साथ उसका निवारण करते हैं। वे मंझी हुई सरल और सुन्दर भाषा बोलने वाले व्यक्ति की तरह बात करते हैं और उनके कलाम में सरसता ख़ुदा की कृपा से आती है। वे फ़क़ीरों पर माल लुटाते हैं और वे आज़मायश के मैदानों में बहादुर आगे बढ़ने वाले की तरह मुक़ाबला करते हैं। तू क्रोध के समय उनके चेहरे लाल-पीले नहीं देखेगा और तू उन्हें संकट के समय सर उठाती हुई मछलियों की तरह अपने रब्ब की ओर नज़रें लगाए पाएगा और उनकी गर्दनों पर ख़ुदा के प्रेम की रस्सी होती है न कि तांत से बटा हुआ फन्दा। इन पर वही आक्रमण करता है जो कमीना होता है

قصدوا أمرًا جلّحوا، وإذا حاربوا ظربغانة قتّلوا ومن جاء هم بالرَغْرَغَةِ فيُرْوٰى من ماءهم، ويُنزّه من كل نوع الشبهة۔ وقد أزف زمان الإرواء فطوبٰى للطلباء الاتقياء۔ ألا ترون أنّ الزمان قد فسد، ومُلِاءَ من أنواع نضناض، وقرب جدرانه إلى انقضاض، والامراض تُشاعُ والنفوس تُضاع، والحتوف ملاقية علٰى أوفاضٍ۔ وقد صلع الزمان، وأنا علٰى رأس الالف السابع فى هٰذا الاوان، وكذالك قال النبيّون أيها الفتيان، فإلامَ تُكذّبون ولا تتّقون الديّان؟

ومن علاماتهم أنّهم يرودون الجنة ابتغاء لقاء

और उनको वही कष्ट देता है जो निर्लज्ज से अधिक दुर्भाग्यशाली हो। उनका संकल्प ऐसा सुदृढ़ और विजयी होता है कि जब वे किसी कार्य का संकल्प कर लें तो दृढ़ इरादे के साथ अग्रसर होते हैं। और जब सांप से लड़ाई की ठन जाए तो उसके टुकड़े-टुकड़े कर डालते हैं और जो व्यक्ति प्यास से उनके पास बार-बार आए तो वह उनके पानी से तृप्त किया जाता है तथा हर प्रकार के सन्देह से पवित्र कर दिया जाता है। सैराबी का समय तो आ गया। अत: संयमी अभिलाषियों के लिए खुशख़बरी हो। क्या तुम नहीं देखते कि युग बिगड़ गया और नाना प्रकार की बेचैनी से भर गया और उसकी दीवारें टूटने के करीब हो गईं रोग फैल रहे हैं और प्राण नष्ट हो रहे हैं, मौता-मौती की अवस्था है। युग का छठा हज़ार गुज़र गया और अब मैं सातवें हज़ार के सर पर हूं हे नौजवानो! नबियों ने ऐसा ही कहा था तो तुम कब तक मुझे झुठलाओगे और प्रतिफल देने वाले रब्ब से नहीं डरोगे।

और उनकी निशानियों में से एक यह है कि वे ख़ुदा तआला की

الحضـرة لا للحـم الطـير وعـين البقـرة، وتجـد عُـرضتَهم باسـطة اليديـن، لتلقّـف اوامـر رب الكـونين۔ عَلَٰهَضُـوا قـارورة حُجب الناسـوت، وفتقـوا بصدقـهم رتـق اللاهـوت، وذالـك بـأن الله قـض عليـهم خيـل التجلّيـات، فقوّضـوا بنـاء وجودهـم ومـا بقـى نضنضـة النفـس ودَخَلُـوْا فى أمـان الله مـن الحَيَـوَاتِ، ودخلـوا الريـاض وتهلّلـت وجوهـهم كـبرق إذا نـاضَ، ووجدوا وجـوه أهـل الدّنيـا وجوهًـا مسـودّةً فسـعوا للتبييـض، وقامـوا لإصلاحـهم كمـا تَـرِضُ الدجاجـة عـلى البيض۔ وإنـهم يعينـون كل صـارخ ولـو تصـرّخ، إلّا الذيـن بـاض فيـهم الشـيطان

मुलाक़ात की इच्छा के लिए जन्नत मांगते हैं न कि पक्षियों के गोश्त (मांस) और अंगूरों के लिए और तू कायनात के रब्ब के आदेशों की ओर हाथ फैलाए हुए लपकना उनका मूल उद्द्देश्य पाएगा। उन्होंने सांसारिक पर्दों का अनावरण किया और अपनी सच्चाई से मर्त्यलोक के बंधनों को तोड़ दिया और यह इस प्रकार संभव हुआ है कि अल्लाह तआला ने उन पर चमकारों की एक सेना भेज दी है। जिसके कारण उन्होंने अपने अस्तित्व की बुनियाद को ध्वस्त कर दिया है और उनमें कामवासना संबंधी हरकत शेष नहीं रही और वे सांपों (की बुराई) से अल्लाह की सुरक्षा में दाख़िल हो गए और वे बागों में दाखिल हुए तथा उनके चेहरे ऐसे चमके जैसे बिजली चमकती हो और उन्होंने दुनियादारों के चेहरे काले पाए तो उन्हें प्रकाशित करने का प्रयास किया और वे उनके सुधार के लिए इस प्रकार से कटिबद्ध हुए जिस प्रकार मुर्गी अण्डों पर बैठती है और वे हर चीखने वाले की सहायता करते हैं चाहे बनावट कर रहा हो सिवाए उनके जिन में शैतान ने अण्डे दिए और उन से चूज़े पैदा हुए।

وفرّخ۔قوم ربّانیون لا یُکذّبهم إلّا الذی جَلَط، وأزال زینة التّقٰی وجَلْمَطَ۔الذین یُعادونهم إنْ هم إلّا کإمرأةٍ جَلعةٍ، ولا یضرّهم صَوْل سَلْفَعَةٍ، تتزلّع یداهم عند المقابلة، ویفرّون کثعالب من موطن المناضلة۔وتجد بیان هؤلاء السادات کشرابٍ عماهجٍ یحکأ فی القلوب، ویُبعّد عن الذنوب، ویضْرَحُ اللّٰه عنهم تهمًا کاذبةً فی شانهم ویجعلهم کمنیحة لاحبابهم وإخوانهم۔ویذهب بهم طخش الناس، وسقام من تفجّس وتَبَعَّلَ وساوس الخنّاس۔ولا یُعاویهم الّا تافهٌ، ولا یقبلهم إلّا تقی دافهٌ۔وحُرّم دارهم علی الفاسقین الذین

ये रब्बानी (ख़ुदा के) लोग हैं इन्हें झुठलाने वाला स्वयं महा झूठा होता है और उसने संयम के सौन्दर्य को मिटा कर मूंड दिया होता है। तथा लोग जो इन (अब्दाल) से शत्रुता रखते हैं वे केवल निर्लज्ज औरत के समान हैं और उन्हें गाली देने वाली बेमुरव्वत औरत का आक्रमण हानि नहीं पहुंचा सकता। इन शत्रुओं के हाथ मुकाबले के समय फट जाते हैं और वे युद्ध के मैदान से लोमड़ियों की तरह भाग जाते हैं, और तू उन सरदारों के वर्णन को कंठ से सरलतापूर्वक उतर जाने वाले पेय की तरह पाएगा जो हृदयों में गढ़ जाता है तथा पापों से दूर कर देता है। उनकी शान में जो झूठे आरोप लगाए जाते हैं उन्हें अल्लाह तआला उन से यह दूर कर देता है और उनके मित्रों तथा भाइयों के लिए अमानत के तौर पर दूध के लिए दी हुई ऊंटनी की तरह बना देता है और वह उनके द्वारा लोगों का अंधकार तथा अहंकारियों एवं ख़न्नास शैतान के भ्रमों का अनुकरण करने वालों का रोग दूर करता है और उन से शत्रुता केवल मूर्ख ही करता है और उन्हें केवल संयमी और ग़रीब प्रकृति वाला ही

يُزَقْفِلُـون إلى الشـرّ متعمّديـن، ويرضـون بالغلفـق ويناأون عـن مـاء معـين

ومـن علاماتـهم أنّـهم يأخـذون مـن الدّنيـا كفتيـلٍ، ومـن الديـن يَدْغَفـون، ويتمتّعـون مـن آلائهـا كَزِبَـالٍ ومـن التُّقـات يجترفـون، ويُقوّمـون أنفسـهم كمقَمْجـرٍ يُقَـوّم سـهمه ويجيحـون كلّمـا فيـهم مـن أهوائـهم ويبقـى هـوى الـرب كجُذْمُـورٍ وعليهـا يثبتون.ويؤثرونـه فى كل سـبيلٍ ولا يبالـون زَمْجَـرَةَ السُّـفَهاءِ ولا يبالـون أىّ الوَمَـىٰ هـم ويحسـبون سـوطهم كنَبْـتٍ صيهـوجٍ ولا

स्वीकार करता है और उनका घर पापियों पर हराम (अवैध) कर दिया गया है। वे (पापी) जो बुराई की ओर जान-बूझ कर भागते हैं और काई पर राज़ी हो जाते हैं और बहने वाले पीनी से दूर रहते हैं।

और उनकी निशानियों में से एक यह है कि वे दुनिया से बहुत कम लेते हैं जबकि दीन (धर्म) से बहुत अधिक प्राप्त करते हैं। वे सांसारिक नेमतों से उतना ही लेते हैं जितना कि चींटी अपने मुंह में उठाती है किन्तु संयम से खूब हिस्सा लेते हैं, वे अपने नफ़्सों को ऐसा सीधा करते हैं जैसे और धनुर्धर अपने तीर को सीधा करता है और वे अपनी समस्त कामवासना संबंधी इच्छाओं का उन्मूलन कर देते हैं और केवल रब्ब की खुशी वृक्ष के सुदृढ़ तने की तरह शेष रह जाती है और उस पर वे सुदृढ़ रहते हैं और उसे हर मार्ग में प्राथमिक रखते हैं तथा मूर्खों के शोर और कोलाहल की परवाह नहीं करते और यह भी परवाह नहीं करते कि वे हैं कौन लोग और वे उनके कोड़े को नर्म टहनी की तरह समझते हैं और नहीं डरते और वे जो ज्ञान भी पाते हैं प्रेम के कारण पाते हैं न कि परिश्रम से। और उन्हें ग़ैब

يخافون۔ و يعلمون كل ما يعلمون من الْوَدِّ لا من الكَدِّ، ويُسقَون من الغيْب فَيَصْأَمُون۔ و يقطعون غير الله بسنانٍ هُذامٍ ولِلّٰهِ يَرْصمون۔ وما كان لإبليس أن يَرْطمهم ويدرء ونه بأنوارهم فلا ينقص الشيطان من قِربةٍ زأبوها ويخاف قسّيهم التى يُضَهِّبون۔ وما ترٰى فيهم هَذْرَبَةً يابسةً بل ترى روحًا ومعرفةً، وحاربوا أهواء النفس ودشوا، أولئك هم قوم دُهاةٌ وأولئك هم المهتدون۔ قعزوا كلّما فى إناء السلوك بما خرّوا أمام الحضرة كالصعلوك، وبما كانوا كَضَعْرِسٍ ولا

से पिलाया जाता है। अत: वे जी भर के पीते हैं और वे ख़ुदा के अतिरिक्त (संबंधों) के तेज़ भाले से काट देते हैं और वे ख़ुदा के लिए संकीर्ण मार्गों को अपनाते हैं और इब्लीस की यह मजाल नहीं कि वह उन्हें ऐसी कठिनाई में डाले जिससे वे निकल न सकें। और वे अपने प्रकाशों के द्वारा उसे दूर हटाते हैं तो जिस भरी हुई मश्क को वे उठाए हुए होते हैं शैतान उसमें से कण भर भी कम नहीं कर सकता। और वह (शैतान) उनकी उन कमानों से डरता है जिन को वे आग देकर सुदृढ़ और ठीक करते हैं और तू उनमें खुश्क व्यर्थ बातें करना नहीं पाएगा अपितु तू (उनके कलाम में) तरोताज़गी और मारिफ़त पाएगा। उन्होंने तामसिक इच्छाओं से युद्ध किया और ख़ूब युद्ध किया। यही वे लोग हैं जो बुद्धिमान हैं और ये ही हिदायत प्राप्त हैं। साधना के बर्तन में जो कुछ हो वे गटागट पी जाते हैं क्योंकि वे ख़ुदा तआला के सामने एक फ़क़ीर की तरह गिरे हुए होते हैं। और इसलिए कि वे (साधना के मार्ग में) लोलुप की तरह होते हैं और तृप्त नहीं होते। वे श्रेष्ठ तथा अति स्वादिष्ट को प्राथमिकता देते हैं और अल्लाह तआला

يَشْــبَعون۔ آثروا الامَــزَّ والإلذَّ وأخـــرج الله منـــهم أهـــواء غــيره واجتزَّ۔ ووفّقـهم بزَجْـلِ مـا سِـوَاهُ وحسـن مشـيهم إلى الله ليعلـم كل قُمَيْثَـلٍ أنـــهم هـــم الصادقـــون

ومـن خواصـهم أنـهم يُطهَّـرون مـن الغوائل البشـرية كما تُقْـرَئُ المرأة مـن حيضها، ويتـوب الله إليـهم فيُجْذَبون۔ يخربون دار النفــس بأيديــهم وبأيــدى الله ويــرون الله بأعــين روحــهم ويُنَزّهــون مــن كل رِيْبــةٍ وفى العلـم يُكَمّلون۔ ولـهم مقـام أَصْقـبُ مــن الملائكــة عنــد الله بمــا خالفــوا أنفســهم و إِعْلَنْبَـأُوا بِالْحِمْـل ورَسـخوا كَحِبطون۔ وَسَـنَثْ نـار محبّتـهم

उनमें से अपने अतिरिक्त की इच्छाएं निकाल डालता और दूर कर देता है। और (अल्लाह) उन्हें स्वयं के अतिरिक्त को फेंक देने और अल्लाह की ओर खूबसूरती से चलने की सामर्थ्य प्रदान करता है ताकि हर बुरी चाल चलने वाला जान ले कि वही सच्चे हैं।

और उन के गुणों में से एक यह है कि वे मानवीय ख़राबियों से ऐसे पवित्र कर दिए जाते हैं जिस प्रकार स्त्री अपने मासिक-धर्म (हैज़) से पवित्र होती है। अल्लाह तआला उन पर दयापूर्वक रुजू करता है तो वे (उसकी ओर) खिंचे चले जाते हैं। और वे नफ़्स के घर को अपने तथा ख़ुदा के हाथों वीरान कर देते हैं, और वे अल्लाह को अपनी रूह की आंखों से देखते हैं और वे प्रत्येक सन्देह से पवित्र किए जाते हैं और ज्ञान में पूर्ण किए जाते हैं और अल्लाह के यहां उनका स्थान फ़रिश्तों से बढ़कर है क्योंकि उन्होंने अपने नफ़्सों का विरोध किया और बोझ लेकर भारी भरकम (व्यक्ति) की तरह जमकर खड़े हुए और उन की प्रेमाग्नि भड़क उठी और उनके नफ़्सों का डंक नष्ट हो गया और

وعدمت شباة نفوسهم وزادت ظُبَةُ سيوفهم فقطعوا كل حجاب وفنوا فی قتو الحضرة فلا يمضى هِنُوٌ من آوانهم إلّا وهم يعبدون۔ وختأ الله قلوبهم عن غيره وشغفهم حُبًّا، فخذأت ذرّاتهم كلّها لربّهم وصار حُبُّ الله طعامهم الذى يُطْعَمُون۔ فجردبوا على طعامهم لئلّا يتناوله غيرهم فإنهم قومٌ يُغَارُوْن۔ يبكون لحِبِّهم حذلًا ويَمضُّ قلبهم همّه وقد اضْجَحَرُّوا كالقربة من ذكره وله كل آنٍ يضجرون۔ حَمِيَتْ قلوبهم كرضف بِحُبِّ اللّٰهِ وزاد منها سهافهم ولهم مقام عند الله لا يعلمه الخلق ولذالك يزدرونهم و يُنَطِّفُوْنَ

उनकी तलवारों की धार तेज़ हो गयी अतः उन्होंने हर पर्दे को फाड़ दिया तथा ख़ुदा तआला की सेवा में फ़ना हो गए। अतः उनका कोई समय ऐसा नहीं गुज़रता कि वे इबादत न कर रहे हों। और अल्लाह तआला उनके दिल अपने ग़ैर से रोक देता है और उन्हें अपने प्रेम का आसक्त बना देता है, तो उन का हर कण अपने रब्ब के लिए झुक जाता है और और ख़ुदा का प्रेम उनका भोजन बन जाता है और वे खिलाए जाते हैं और वे (उस) भोजन को जल्दी-जल्दी खाते हैं ताकि उनके अलावा कोई और न ले ले, क्योंकि वे स्वाभिमानी लोग होते हैं। वे अपने प्रियतम के लिए इतना रोते हैं कि उनकी पलकें झड़ जाती हैं और हर समय उसके लिए बेचैन रहते हैं ख़ुदा के प्रेम के कारण उनके हृदय गर्म पत्थर की तरह तप जाते हैं। इस कारण उनकी प्यास बढ़ जाती है। उनका पद अल्लाह के यहां ऐसा होता है जिसे लोग नहीं जानते। यही कारण है कि वे उनको तिरस्कार की दृष्टि से देखते हैं और उन पर गन्दे आरोप लगाते हैं।

ومن علاماتهم أنّهم لا يخافون تلاطث الفتن ويقطعون بحار البلاء كمواخر ولا يأشبون الحق بالباطل ويعافون العَرْزب ويبتغون تقاة لا شية فيها ويخلصون۔ لا يريدون لونا شاملا، ولهم أرض لا تفارق وابلها ومنه يُخَضّرون۔ ولهم سمهرى يقتل النَهْسَرَ ۔ وفطرتهم العالية يشابه النهابر وأتزّت قِدْرها بِحُبٍّ ينضجون۔ ومن ضفن إليهم ولو كان العُراهَنُ المتقل بحُبِّ الدنيا يلج فى سمّ الخياط بيمن قوم يتّقون۔ ومن كان من عبدة الطاغوت وحضرهم فإذا هو من الذين

और उनकी निशानियों में से एक यह है कि वे फित्नों की मौजों से नहीं डरते अपितु आज़मायश (परीक्षा) के समुद्रों को कश्तियों के समान चीर कर निकल जाते हैं और सच को झूठ के साथ नहीं मिलाते और संदिग्ध चीज़ से घृणा करते हैं और वे ऐसे संयम चाहते हैं जो बे दाग़ हों (उसी के लिए) वे निष्कपट होते हैं, वे किसी अन्य रंग का सम्मिलित होना पसन्द नहीं करते और उनकी ज़मीन ऐसी है जिस पर निरन्तर मूसलाधार वर्षा होती रहती है। और उस से वे हरे भरे हो जाते हैं। और उनके पास ऐसा भाला है जो भेड़िए को क़त्ल कर देता है और उनकी उच्च कोटि की प्रकृति बुलन्द टीलों की तरह होती है और उनकी (प्रकृति की) हांडी (ख़ुदा के) प्रेम से जोश मारती है (और) वे पक जाते हैं। जो उनके पास आ बैठे चाहे वह संसार के प्रेम से लदा हुआ भारी भरकम ही क्यों न हो तब भी वह इस संयमी क़ौम की बरकत से सुई के नाके से गुज़र जाएगा और जो ताग़ूत (पिशाच) के पुजारियों में से हुआ गिरोह उनके पास उपस्थित हो तो वह उन

لا يفسقون۔ومن كان متكبّرًا شيطانا ووافاهم إيمانًا فيُرغم أنفه لأمر الله ويكون من الذين يتّقون۔فلا تهكر أيها السامع ولهم شأن أرفع من ذالك وكيف أبيّنه وانكم لا تفهمون۔قوم باكون تهمر دموعهم أكثر من ماء تشربون

ومن علاماتهم أنّهم ينقحون أصل الصلاح من كُدُس الاعمال ويتركون فضلة العرمة لأهل الضلال، يأخذون قُحًّا ولا يتّبعون شُحًّا وعن الحق يفحصون۔وينعصون كلّ شيء حتّى يظهر ما تحته ويبضّ

लोगों में से हो जाएगा जो पाप नहीं करते और जो अंहकारी शैतान हो और मोमिन होकर उन से वफ़ा करे तो वह अपनी नाक अल्लाह के आदेश के आगे मिट्टी में मिला देगा और उन लोगों में से हो जाएगा जो संयमी हैं। हे सुनने वाले! तू आश्चर्य न कर, उन की शान तो इस से भी श्रेष्ठतर है और मैं उसे कैसे वर्णन करूं जबकि तुम समझ नहीं सकते। वह ऐसी रोने-गिड़गिड़ाने वाली क़ौम है जिसके आंसू उस पानी से भी अधिक बहते हैं जो तुम पीते हो।

और उनकी निशानियों में से एक यह है कि वे कर्मों के गाहे हुए ढेर से असल सही कर्मों को पृथक करते हैं और उसका बचा हुआ भूसा गुमराहों के लिए छोड़ते हैं। वे शुद्ध चीज़ ले लेते हैं और लालच के पीछे नहीं पड़ते और वे सच्चाई की खोज में लगे रहते हैं और वे हर चीज़ को उस समय तक गति देते रहते हैं यहां तक कि वह जो उसके नीचे है प्रकट न हो जाए और उनकी आंखों के सामने बहने लग जाए जो वे तलाश करते हैं और वे इसका इन्कार नहीं करते जिसका मूर्ख इन्कार करें अपितु पूरी

أمــام أعينــهم مــا يطلبــون۔ولا يُنكــرون أمــرًا ينكــره الجهــلاء بــل يحقّقــون۔ولا يعيشــون كالصعافقــة بــل يجمعــون خــير ســوق الآخــرة ولا يغفلون۔وتســمع ضجــر قلوبــهم كغقيــق القــدر وبتلــك العصــا يمتــأون إبليــس ويجتنبــون كل تغــبٍ لِحِــبٍّ يؤثرون۔ كســروا طواحــن ثعبــانٍ أغــوى آدم ومَسَــنُوه بســوطٍ أكلــم فمــا كان له أن يَــدره عليــهم وفــرّ مــن قــوم يرجمون۔وصالــوا عليــه كضرغــم وأوْذَمُــوا عــلى أنفســهم أنــهم يجيحــون أصــله ويُنجــون النــاس مــن شــرّه ويُخلّصــون۔ يســمطونه كمــا يُسَــمَطُ الحمــلُ لــيُرٰى عريانًــا

जांच-पड़ताल करते हैं और वे दरिद्र कमीनों के समान जीवन व्यतीत नहीं करते अपितु आख़िरत (परलोक) के जीवन की उत्तम चीज़ें एकत्र करते हैं और लापरवाही नहीं करते। तू उन के हृदय की व्याकुलता की आवाज़ उबलती हुई हांडी जैसी सुनेगा और वे उसी लाठी से शैतान को मारते हैं और वे ऐसे प्रियतम (माशूक़) के लिए जिसे वे (हर चीज़ पर) प्राथमिकता देते हैं। हर फ़साद से बचते हैं। उन्होंने उस सांप की कुचलियां तोड़ दीं जिसने आदम को बहकाया था और उन्होंने उस (सांप) को ज़ख़्मी करने वाले कोड़े से मारा तो उसके लिए संभव न रहा कि वह उन पर आक्रमण करता अपितु वह पत्थरों से मारने वाली क़ौम से भाग गया और उन्होंने उस पर शेर के समान आक्रमण किया तथा उन्होंने अपने प्राणों पर अनिवार्य कर लिया कि उसकी जड़ उखाड़ कर फेंक देंगे और हृदयों को उस की बुराई से मुक्ति देंगे और (उस से) छुटकारा दिलाएंगे। वे उसके बाल इस प्रकार उतारते हैं जिस प्रकार भेड़िए के बच्चे से बाल उतारे जाते हैं ताकि वह नंग-धड़ंग दिखाई दे और वे भालों से उसे ज़ख़्मी करते हैं और उनकी

وبالاسنّة يهطون۔ وخنعت أعناقهم لربّهم وله يُسلمون۔ هم قوم سكرت عين الخلق منهم وأعجبوا الملائكة بفعل يفعلون۔ وضعوا لُحُومَهم فی فاتور الحضرة فأَرَمَ الله ما علی المائدة، وأُكلوا بأنامل المحبّة وفنوا لِحِبٍّ يتخيرون

تمّت

المؤلف

ميرزا غلام احمد قاديانى

مورخه ۱۴ دسمبر سنة ۱۹۰۳ء

गर्दनें अपने रब्ब के लिए झुक जाती हैं और उसी के लिए वे आज्ञाकारी हो जाते हैं। ये वे लोग हैं जिन के कारण सृष्टि की आंख आश्चर्य में पड़ी हुई है और उन्होंने अपने कार्यों से फ़रिश्तों को भी आश्चर्य में डाल दिया है उन्होंने अपने मांस (गोश्त) ख़ुदा तआला के थाल में रख दिए हैं। तो ख़ुदा तआला ने जो कुछ दस्तरख़्वान पर था खा लिया और वे प्रेम के पोरों से प्रसन्न किए गए और जिस प्रियतम को उन्होंने अपनाया था वे उसी के लिए फ़ना हो गए।

समाप्त

लेखक

मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद क़ादियानी

14 दिसम्बर सन् 1903 ई.